जीवनरक्षा, सिंचाई और खेती में दिखाया ड्रोन का उपयोग

झालाना सांस्थानिक क्षेत्र स्थित टेक्नो हब में गुरूवार को आयोजित 'ड्रोन एक्सपो-2022' में 50 से अधिक निर्माताओं ने अपने ड्रोन की क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

जयपुर (कासं)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के 'आईस्टार्ट राजस्थान' के तहत गुरूवार को यहां झालाना सांस्थानिक क्षेत्र स्थित टेक्नो हब में आयोजित 'ड्रोन एक्सपो-2022' में 50 से अधिक ड्रोन निर्माताओं ने अपने ड्रोन की क्षमताओं का प्रदर्शन किया। किसी ने बाढ या समुद्र के भीतर आपातकालीन परिस्थितियों में ड्रोन के जीवन रक्षक बनने का प्रदर्शन किया, तो किसी ने आसमान में एरोबेटिक्स दिखाकर सिंचाई और खेती में ड्रोन के मददगार बनने की क्षमताओं को दिखाया।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोडा ने ड्रोन प्रदर्शनी का अवलोकन किया और ड्रोन निर्माताओं से उनके उपयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इससे पहले आयुक्त संदेश नायक ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर उपस्थित लोगों के साथ अपने विचार साझा किये। नायक ने किसानों के लिए ड्रोन तकनीक के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ड्रोन न केवल सिंचाई और कीटनाशक छिड़काव में काश्तकारों की मदद कर सकते हैं, बल्कि प्रतिकूल मौसम और परिस्थितियों के कारण होने वाले नुकसान व हानि का सर्वेक्षण करने में भी कृषि विभाग के लिए मददगार बनेगा। ड्रोन निगरानी और सुरक्षा में पुलिस विभाग, जल संसाधन विभाग, वन्यजीव व अन्य विभागों की मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह दिन भी दूर नहीं जब उत्पादों की होम डिलीवरी के लिए ड्रोन उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार राज्य सरकार इस वर्ष विभिन्न विभागों के लिए एक हजार ड्रोन खरीदने की योजना बना रही है।